Balasaheb desai Foundation's
Shivajiuni /affi/T-2/NewCollege/2013-14Primary affi/V.Y.J/
Smt. Vijayadevi Desai Senior College Daulatnagar
(Arts ,Commerce ,Science)
श्रीमती विजयादेवी देसाई सिनिअर कॉलेज दौलतनगर
(कला , वाणिज्य ,विज्ञान)
Tal .Patan Dist. Satara (Maharashtra Tel- 02372-295050 Email- Vddc490.cl@unishivaji.ac.in

Ref.No. Date : / /

Program Outcomes

PROGRAMME OUTCOMES 1. BACHELOR OF ARTS (B.A.)

After completion of the

B. A. Programme, the students will develop ability:

Understand knowledge in the field of humanities.

- Cultured and good citizen of India.
- Get employment.
- Understand fundamental values of Indian Constitution.
- Use communication and soft skills.
- Socially conscious.
- All round personality development of the learners.

Balasaheb desai Foundation's
Shivajiuni /affi/T-2/NewCollege/2013-14Primary affi/V.Y.J/
Smt. Vijayadevi Desai Senior College Daulatnagar
(Arts ,Commerce ,Science)
श्रीमती विजयादेवी देसाई सिनिअर कॉलेज दौलतनगर
(कला , वाणिज्य ,विज्ञान)
Tal .Patan Dist. Satara (Maharashtra Tel- 02372-295050 Email- Vddc490.cl@unishivaji.ac.in

Course Outcomes

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

B. A. PROGRAMME: - Hindi

.•After completion of the programme, the students will develop ability:
Understand the history of Hindi literature and its various forms.

- Understand and appreciate literature in Hindi.
- Use of Hindi in day-to-day life.
- Know difference between formal and informal use of language.
- Develop communication skills in Hindi

.• Propagate Hindi as a national language

हिंदी विभाग

(Outcomes)

पेपर १ एव २ हिंदी कविता 1 हिंदी साहित्य

१.छात्रो मे हिंदी साहित्य के प्रती रूढी बढ जाती है 1

२.छात्र विभिन्न कविता से परिचित हो जाते है 1

३.काव्य साहित्य पढने से अभिरुची पैदा होकर छात्र कि आकलन शक्ती बढने मे मदद होती है 1

४.गद्य साहित्य पढने से अभिरुची पैदा होकर छात्र कि आकलन शक्ती बढने मे मदद होती है 1

पेपर ३ एव ५ अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य 1 रोजगारपूरक हिंदी

१.छात्र कथा साहित्य का स्वरूप तत्व एव प्रकरो से परिचित हो जाते है 1

२.कथेतर साहित्य कि समीक्षा से परिचित हो जाते है 1

३.कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रसंगीकता से परिचित हो जाते है 1

४.छात्रो मे हिंदी कार्य करणे कि विचारक्षमता कल्पनाशीलता एव रुचि पैदा होती है 1

५.छात्रो मे हिंदी भाषा के श्रवन 1 पठण एव लेखन कौशल्य निर्माण होती है 1

पेपर ४ एव ६ हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा

१.छात्रो की हिंदी साहित्य के प्रती रूढी बढ जाते है 1

२.छात्र साहित्य कि विविध विधाओ से परिचित हो जाते है 1

३.मध्यकालीन एव आधुनिक कालीन कविता के व्यक्तीत्व एव कृतित्व से परिचित हो जाता है 1

४.छात्रो को आधुनिक हिंदी कविता मे विचित्र विविध विमशो से परिचित हो जाता है 1

५.छात्र तत्कालीन सामाजिक समस्याओ से परिचित हो जाते है 1

पेपर ७ एव १२.विधा वशेष का अध्ययन

१.उपन्यास और आत्मकथा के तात्विक स्वरूप छात्रो को ज्ञात होता है 1

२.उपन्यासकार और आत्मकथाकार के व्यक्तित्व के गुण एव कृतीत्व कि परिपूर्ण जानकारी मिलती है 1

३.रचना विशेष का महत्त्व समझने एव मुल्याकन करने कि क्षमता विकसित होणे मे मदद मिलती है

४.उपन्यास और आत्मकथन कि प्रासंगिकता से अवगत होते है 1

५.कथा साहित्य पढने से अभिरुची पैदा होकर आकलन शक्ती बढने मे मदद होती है l

पेपर ८.एव 13 साहित्यशात्र

१.साहित्य कि मर्मगृहिणी क्षमता का विकास हो जाता है l

२.काव्य के विभिन्न अंगो का सामान्य परिचय हो जाता है l

३.साहित्य समीक्षा कि दृष्टी विकसित हो जाती है l

४.भारतीय एव पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतो तथा हिंदी आलोचन कि विविध प्रणालीयो का ज्ञान प्राप्त हो जाता है l

पेपर १० एव १५ प्रयोजनमूलक हिंदी

1) प्रयोजनमूलक हिंदी रोजगार उन्मुख शिक्षा एव कौशल्य प्रधान करणे मे सहाय्यक होती हैl

2)आधुनिक समय मे मुद्रित और इलेक्ट्रोनिक साधनो कि शैक्षिक क्षेत्र मे कि जानकारी मिलती है l

3)क्षात्रो मे हिंदी भाषा के श्रवण एव पठण एव लेखन कौशल्य विकसित हो जाता है

4) छात्रो को साहित्य अनुवाद क्षेत्र के संदर्भ मे जानकारी हो जाती हैI

5) अनुवाद और व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचय होता है I

पेपर ११ एवं १६ भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

1.भाषा के विभिन्न रुपो का परिचय हो जाता है I

2.भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय हो जाता है I

3.हिंदी भाषा एवं लिपी के उद्भव और विकास का परिचय हो जाता है I

4.भाषा के शुद्धता के प्रति छात्रो मे जागृती हो जाती है I

5.मानक हिंदी वर्तनी ओर व्याकरण से छात्र को परिचय हो जाता है I